केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 64 गुरूवार 26 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

पैरासिटामॉल समेत 48 दवाएं परीक्षण में फेल

नई दिल्ली (आभा)। पैरासिटामॉल सहित 48 दवाएं क्वलिटी टेस्ट में फेल पाई गई हैं। इनमें विटामिन, शुगर और ब्लड प्रेशर की दवाओं के अलावा एंटीबायोटिक्स भी शामिल हैं। देश की सबसे बड़ी ड्रग रेगुलेटरी बॉडी सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने इसकी लिस्ट जारी की है। लिस्ट में कैल्शियम और विटामिन डी3 सप्लीमेंट्स, एंटी डायबिटीज की गोलियां और हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं शामिल हैं।

बैन की गई दवाओं की लिस्ट में दौरे और एंग्जाइटी में इस्तेमाल की जाने वाली क्लोनाजेपाम टैबलेट, दर्द निवारक डिक्लोफेनेक, सांस की बीमारी के लिए इस्तेमाल होने वाली एंब्रॉक्सोल, एंटी फंगल फ्लुकोनाजोल और कुछ मल्टी विटामिन और कैल्शियम की गोलियां भी हैं। ये दवाएं हेटेरो ड्रग्स, अल्केम लेबोरेट्रीज, हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियों द्वारा

बनाई जाती हैं।पेट के इंफेक्शन के लिए दी जाने वाली दवा मेट्रोनिडाजोल भी इस जांच में फेल हो गई है, जिसे हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड बनाती है। इसी तरह टॉरेंट फार्मास्युटिकल्स की शेलकाल टैबलेट्स भी जांच में असफल रहीं। सीडीएससीओ ने 48 दवाओं की सूची जारी की है, जो जांच में फेल हो गईं। इनमें से 5 दवाइयां नकली थीं। यानी दवा बनाने वाली कंपनियों ने कहा कि ये उनकी मेडिसिन नहीं हैं, बल्कि मार्केट में उनके नाम से नकली दवाइयां बेची जा रही हैं।

पतंजलि की सोन पापड़ी के क्वालिटी टेस्ट में फेल होने से जुड़े एक मामले में उत्तराखंड की एक अदालत ने कंपनी के असिस्टेंट जनरल मैनेजर समेत तीन लोगों को छह महीने जेल की सजा सुनाई है। फूड सेफ्टी और स्टैंडर्ड एक्ट 2006 के सेक्शन 59 के तहत यह सजा सुनाई गई है। केंद्र सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक एमाइलेज, प्रोटीएज, ग्लूकोएमाइलेज, पेक्टिनेज, अल्फा गैलेक्टोसिडेज, लैक्टेज, बीटा–ग्लूकोनेज, सेल्युलेस, लाइपेज, ब्रोमेलैन, जाइलेनस, हेमिकेल्यूलेस, माल्ट डायस्टेज, इनवर्टेज और पापेन के इस्तेमाल से इंसानों को खतरा होने की आशंका है।बैन की गई दवाओं की लिस्ट में हेयर ट्रीटमेंट, एंटीपैरासिटिक (परजीवियों के इन्फेक्शन में इस्तेमाल), स्किनकेयर, एंटी–एलर्जिक के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं भी शामिल हैं। सरकार ने कहा इन दवाओं के बदले दूसरी दवाएं मार्केट में उपलब्ध हैं। उन पर कोई रोक नहीं रहेगी।

मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की मांगः भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आंध्र प्रदेश में स्थित तिरुपति बाला जी मंदिर में भोग प्रसाद में पशुओं की चरबी का उपयोग किए जाने का प्रकरण प्रकाश में आने पर प्रधानमंत्री को संबोधित 3 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से भेजा।

ज्ञापन देने के बाद ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने कहा की सभी को पता है की मंदिर हिंदुओं के आस्था का केंद्र है, और हिंदुओं का पूजा स्थल है, यह भारत का इतिहास रहा है की अन्य धर्म के लोगो ने हिंदू आस्था,और विश्वास को चोट पहुंचाने का कार्य सदियों से कर रहे है।

कहा कि सरकार द्वारा भारत देश के पवित्र प्रसिद्ध धाम और मंदिरों में रिसीवर बैठा कर उन्हे सरकारी नियंत्रण में लिया गया है, जिनमे तमाम विधर्मी लोग भी है, जिनके कार्यशैली और कुकर्म के कारण हिंदुओं को प्रसाद के रूप में अंजाने में पशुओं की चरबी खानी पड़ गई है।

ज्ञापन के माध्यम से मांग किया गया है कि भारत सरकार देश के 4 लाख मन्दिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने हेतु संसद में प्रस्ताव लाकर

सनातन बोर्ड का गठन किया जाय और सभी मन्दिर सन्त समाज को सौंपा जाए जिससे वे मंदिर आर्थिक लूट का केंद्र ना बन सके।

सभी मन्दिरों में प्रसाद के रूप में सूखे मेवे और फल का वितरण किया जाए और मन्दिर के अन्दर प्रसाद की बिक्री प्रतिबंधित किया जाए।

मन्दिर प्रशासक के रूप में नियुक्त सभी गैर हिन्दुओं को तत्काल प्रभाव से बाहर किया जाय। मन्दिर से सम्बंधित भूमि विवाद के निस्तारण हेतु उच्च न्यायालय स्तरीय सनातन न्यायाधिकरण का गठन किया जाय। इसी क्रम में ट्रस्ट के संरक्षक अरुण भारती ने कहा कि पूरे विश्व में कहीं भी किसी चर्च में कोई गैर इसाई कर्मचारी नहीं है, किसी मस्जिद में कोई गैर मुस्लिम कर्मचारी नहीं है परंतु सनातन धर्म का केंद्र भारत में अधिकांश मन्दिरों पर प्रशासक के रूप में तमाम मुस्लिम और ईसाई कर्मचारी नियुक्त हैं जो अक्षम्य अपराध है।

धर्म रक्षा के लिए सनातन धर्म चेतना चौरिटेबल ट्रस्ट निरन्तर संघर्ष करता रहेगा। ज्ञापन देने वालों में अरुण भारती, अशोक कुमार त्रिपाठी, दीनदयाल तिवारी, राहुल त्रिपाठी, अंशू कुमार, सौरभ तिवारी, रुद्र आदर्श पाण्डेय, राजेन्द्र मिश्र, अनिल कुमार, सौरभ मिश्र एडवोकेट, प्रमोद पाण्डेय, जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय शिबलू एडवोकेट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ : विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर संगोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा जिलाध्यक्ष प्रमेन्द्र कुमार के संयोजन में बुधवार को स्टेशन रोड स्थित एक होटल में संगोष्ठी का आयोजन कर विचार विमर्श किया गया।

औषधि निरीक्षक अरविन्द कुमार ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं। इनके ऊपर समाज और विभाग का बहुत बड़ा दायित्व फार्मासिस्ट स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने फार्मासिस्ट दिवस की सभी को बधाई दी और अपने कार्य को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करने का आह्वान किया।

एसोसिएशन जिलाध्यक्ष प्रमेन्द्र कुमार ने कहा कि इस वर्ष 'फार्मासिस्ट वैश्विक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करना' की थीम पर हमें संकल्प लेना होगा कि स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र

में हम अपने दायित्वों पर खरा उतरे। उन्होने इस बात पर जोर दिया कि प्राथमिकता के स्तर पर फार्मासिस्टों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जाय।

गोष्ठी में एसोसिएशन कोषाध्यक्ष अजय चौधरी ने फार्मासिस्टों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि परस्पर एकजुटता से ही समस्याओं का समाधान होगा। गिरजेश सेन, सिद्धार्थ सिंह, चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' आदि ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार को भी इस दिशा में पहल करना होगा कि वे बेरोजगार न रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृष्ण मोहन यादव, वैभव श्रीवास्तव, धर्मनाथ, अजय चौधरी, फारूक अब्दुल्ला, गिरजेश सेन, प्रभुनाथ चौधरी, सिद्धार्थ सिंह श्रीनेत्र, अजय गुप्ता, श्याम मोहन चौधरी, सेराज अहमद, अनूप चौरसिया, सूरज चौहान, विक्रम शर्मा, आत्माराम वर्मा, अभिषेक उपाध्याय, विजय, विशाल के साथ ही अनेक फार्मासिस्ट एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल रहे।

चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की भूमिका महत्वपूर्ण- डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर बुधवार को पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोटवा और डा. वी. के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बसुआपार बढ़नी में गोष्ठी के साथ ही अनेक आयोजन किये गये।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर डिप्लोमा इन फार्मेसी के प्रथम और अंतिम वर्ष के परीक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य की देखभाल हर इंसान के जीवन का सबसे जरूरी हिस्सा है, ऐसे में फार्मासिस्ट हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, स्वास्थ्य देखभाल और समग्र कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं.उनकी भूमिका केवल दवायें वितरित करने से कहीं आगे तक फैली हुई है। उन्होने छात्रों से कहा कि वे पूरी लगन से शिक्षा प्राप्त कर चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में योगदान दें।

निदेशक डा आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि बिना फार्मासिस्टों के मरीजों का समुचित इलाज संभव नहीं है। उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

प्राचार्य पवन कुमार गुप्ता, डा. मनोज मिश्र ने कहा कि फार्मेसिस्ट विश्व स्वास्थ्य सेवाओं में अहम भूमिका निभाते हैं, औषधीय उत्पादों के विनिर्माण, विपणन और उपयोग की प्रक्रिया में शामिल होते हैं, जिससे समाज के सदस्यों को सुरक्षित और प्रभावी दवाएं प्राप्त होती हैं। उनकी भूमिका सदैव बनी रहेंगी।

कार्यक्रम में प्रवक्ता घनश्याम यादव, भूपेंद्र चौधरी, लाइब्रेरियन श्रीमती शिवा उपाध्याय, ओम प्रकाश वर्मा, शिवम चौधरी, वीरेन्द्र वर्मा, डा. लालजी यादव, डा. श्रवण कुशवाहा, डा. इरफाना बानो, डा. आर.एन. चौधरी, डा. चंदा सिंह, शिव प्रसाद, पूजा, माया, कविता, सविता, अंजली, शालू, रजिया, राम स्वरूप, राजेश सिंह, ध्रुवचन्द, सतीश, गोल्डी के साथ की छात्र मौजूद रहे।

जम्मू–कश्मीर में 59 प्रतिशत मतदान

श्रीनगर (आभा)। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण का मतदान बुधवार शाम खत्म हो गया। दूसरे दौर में छह जिलों की कुल 26 सीटों के लिए मतदान कराया गया। इस चरण में 25 लाख से अधिक मतदाता 239 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला ईवीएम में कैद हो गया। दूसरे दौर में श्रीनगर जिले की आठ सीटों पर मतदान हुआ। इसके बाद रियासी में छह, बडगाम में पांच, रियासी और पुंछ में तीन–तीन और गांदरबल में दो सीटों पर मतदान कराया गया। शाम 5 बजे तक जम्मू कश्मीर में 59.00 फीसदी मतदान हुआ। सबसे ज्यादा 71.81 फीसदी वोटिंग रियासी जिले में तो सबसे कम श्रीनगर जिले में 27.31 फीसदी दर्ज की गई। दूसरे चरण में रियासी जिले की श्री माता वैष्णो देवी सीट पर सबसे ज्यादा 75.29 फीसदी मतदान हुआ है। हालांकि, आंकड़ों में बदलाव संभव है।

इससे पहले 18 सितंबर को हुए पहले चरण में 61.38 फीसदी मतदान हुआ था। सबसे ज्यादा 80.20 फीसदी वोटिंग किश्तवाड़ जिले में तो सबसे कम पुलवामा जिले में 46.99 फीसदी दर्ज की गई थी।

दूसरे फेज में 131 कैंडिडेट्स करोड़पति और 49 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने अपनी संपत्ति केवल 1,000 रुपए घोषित की है। वोटिंग के दौरान उन्होंने कहा– पीडीपी, एनसी और कांग्रेस की सरकारों में यहां डर का माहौल था।

पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से मैदान में हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामूला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे। इस बार भी गांदरबल सीट पर उनके खिलाफ जेल में बंद सरजन अहमद वागे उर्फ आजादी चाचा मैदान में हैं। 18 सितंबर को पहले फेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38: मतदान हुआ। किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.20: और पुलवामा में सबसे कम 46.99: वोटिंग हुई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती पर विधायक अजय सिंह ने किया वृद्ध जनों में वस्त्र, फल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती पर विधायक अजय सिंह के संयोजन में बनकटा स्थित वृद्धा आश्रम के वृद्ध जनो में वस्त्र, फल आदि का वितरण किया गया। हर्रैया विधायक अजय सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय समाज के अंतिम व्यक्ति को विकास के मुख्य धारा में लाना चाहते थे। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार निरन्तर प्रयत्नशील है। अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि गरीबों, वंचितों के जीवन पर खुशहाली आये। भाजपा इस दिशा में समर्पित भाव से सेवा कार्य में जुटी है।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, महेश शुक्ल ने कहा कि वृद्ध जनों की सेवा पुनीत कार्य है। वृद्ध जनों में वस्त्र, फल आदि वितरण में राघवेन्द्र प्रताप सिंह, देवेन्द्र पाल राम चरन चौधरी, आनन्द सिंह 'बाजा', प्रमोद सिंह, सुग्रीव पाल, अभय प्रताप सिंह, भगवान मिश्र, आलम चौधरी, ऐनुल हक, यशवंत सिंह 'रोलू' अमरनाथ सिंह, अजीत सिंह, अनिल मिश्र, अंकित शुक्ला, संतोष विश्वकर्मा, अनित शुक्ल आदि ने योगदान दिया। संचालन करते हुये विधायक प्रतिनिधि पं. सरोज मिश्र ने कहा कि पं. दीनदयाल जी हर हाथ को काम, हर चेहरे पर मुस्कान चाहते थे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

जयन्ती पर याद किये गये अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती पर याद किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ बूथ संख्या 209 स्थित अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर प्रकाश डाला। अंकुर वर्मा ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय का चिंतन मनन भारतीय लोकतंत्र के लिए सदैव प्रासंगिक रहेगा। पंडित दीनदयाल ने गांव, गरीब, किसान और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने का जो मार्ग प्रशस्त किया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में से भाजपा पूरी कर रही है।

भाजपा नेता अंकुर वर्मा ने कहा कि देश के महान विचारक, अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल

-भारतीय लोकतंत्र के लिए सदैव प्रासंगिक रहेंगे पंडित दीनदयाल उपाध्याय-अंकुर वर्मा

उपाध्याय ने अंत्योदय के द्वारा समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ने का संदेश दिया। उनके राजनीतिक जीवन से हम सबको प्रेरणा लेनी होगी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से बूथ अध्यक्ष सचिन शुक्ल, पवन वर्मा, विक्रम चौहान, अभिलाष श्रीवास्तव, सूरज गुप्ता, सन्तोष भरद्वाज, विवेक श्रीवास्तव, मुकेश, अजय वर्मा, दुर्गेश त्रिपाठी, सत्येन्द्र मिश्र, गणेश श्रीवास्तव, सुरेन्द्र श्रीवास्तव, पार्थ श्रीवास्तव, करन सोनकर, पप्पू सोनकर आदि शामिल रहे।

मांगो को लेकर बीएसए कार्यालय पर गरजे शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों की 16 सूत्रीय, शिक्षामित्रों की 6 सूत्रीय और अनुदेशकों की 3 सूत्रीय मांगों को लेकर बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशकों ने संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना दिया और मांगो के समर्थन में गरजे। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बस्ती अनूप कुमार तथा जिलाधिकारी द्वारा नामित नायाब तहसीलदार अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

धरने को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि बार–बार ज्ञापन देने के बाद भी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को गलत तरीके से बंद कराया जा रहा है। शिक्षामित्र और अनुदेशकों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है।

–मांगे न मानी गई तो और तेज होगा आन्दोलन– चन्द्रिका सिंह

यदि शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशकों की मांगे नहीं मानी गई तो आंदोलन तेज किए जाने के साथ ही मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

बीएसए कार्यालय पर हजारो शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों की उपस्थिति में मुख्य रूप से मंत्री बालकृष्ण ओझा, कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव,प्रवीन श्रीवास्तव, शिवप्रकाश सिंह,सुधीर तिवारी, राजेश गिरी,रवि सिंह,रामसागर वर्मा, अखिलेश पाण्डेय, अशोक यादव, हरिओम यादव, राहुल सिंह, विवेक सिंह,देवेंद्र सिंह,सनद पटेल, रामभवन यादव,शिवरतन,सुरेश गौड़,वंदना त्रिपाठी, उमाकांत शुक्ल,रवीश मिश्र,विवेक कांत पाण्डेय, शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला,संतोष भट्ट,बालगोपाल शुक्ल, अनुदेशक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह,मंत्री उमेश यादव,मुक्तेस्वर यादव,मुरलीधर आदि ने धरने को सम्बोधित किया।

वक्ताओं ने गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाही, 50 से कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों के विलय पर रोक, समायोजन प्रक्रिया में न्यायालय के आदेश का पालन, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विषय वार शिक्षक की तैनाती,न्यायालय के आदेश पर कार्यवाहक प्रधानाध्यापक का वेतन जारी करने, एनपीएस और जीपीएफ कटौती का अंकन, सेवा पुस्तिका का अपडेशन, शिक्षकों का संकुल पद से कार्य मुक्ति, एफएलएन प्रशिक्षण की धनराशि संबंधित के खाते में भेजना, लोकसभा निर्वाचन के दौरान रोके गए वेतन और मानदेय की बहाली, शिक्षकों के वेतन के साथ ही शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेय देना, शिक्षामित्र व अनुदेशकों को बीएलओ के पद से कार्य मुक्ति तथा बीएलओ के बाधित मानदेय की बहाली, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के जिला पदाधिकारियों की प्रत्येक माह बैठक आदि मुद्दे उठाए। शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक नेताओं ने अधिकार हासिल करने के लिये एकजुटता बनाये रखने पर जोर दिया।

धरने में मुख्य रूप से मजहर अब्बास,विजय कुमार,हरिशंकर, रवि गुप्ता,दिलीप द्विवेदी, संतोष मिश्रा, राजीव सिंह,राजकुमार श्रीवास्तव, रुकनुद्दीन, अनीस अहमद,अशद जमाल,आनन्द ,राम पियारे, समीउल्लाह अंसारी, राज,विजय यादव,अनिल पाठक,अविनाश दुबे,हरेंद्र यादव, संतोष पाण्डेय, बद्रीविशाल पाण्डेय, अश्विनी सिंह, त्रिभुवन, कमलेश वर्मा, अशोक सिंह,सुशील गहलोत, रीना कन्नौजिया, रेहाना परवीन,आरती कमल,रोमा सिंह,कमला यादव, वंदना वर्मा, किरण बाला, शाहिस्ता अंजुम,नीतू सिंह,प्रीति कटियार, प्रिया शर्मा,कांतिसेन,माहेनूर के साथ ही अनेक शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक संघ के पदाधिकारी शामिल रहे।

फार्मासिस्ट दिवस पर गूंजा फार्मासिस्टों के बेरोजगारी का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को ऑल इण्डिया फार्मासिस्ट फेडरेशन द्वारा प्रेस क्लब सभागार में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. वाहिद अली सिद्दीकी ने फार्मासिस्टों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि सरकार प्रदेश के प्रशिक्षित फार्मासिस्टों को अवसर दे तो स्वास्थ्य सेवाओं को बदहाली से बचाया जा सकता है। एक तरफ तो सरकार संविदा के चिकित्सकों से जैसे–तैसे काम चला रही है वहीं लगभग तीन लाख 20 हजार से अधिक फार्मासिस्ट बेरोजगार है। उन्हें तत्काल सेवाओं से जोड़कर स्थितियों को संभाला जा सकता है। फार्मासिस्टों को प्रशिक्षण देकर ग्रामीण क्षेत्रों में डाक्टर के रूप में उनकी नियुक्ति की जाय जिससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को सुधारा जा सके। कहा कि 2007 के बाद से अभी तक नियुक्तियां न निकालकर सरकार फार्मासिस्टों के हितों की खुली अनदेखी कर रही है। यदि शीघ्र समस्याओं का समाधान न हुआ तो फेडरेशन प्रदेश

-फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं के अभिन्न अंग -डा. ए. के. चौधरी

व्यापी आन्दोलन को बाध्य होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. ए. के. चौधरी ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं के अभिन्न अंग के साथ ही डाक्टर और मरीज के बीच की मजबूत कड़ी हैं। इनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान निकाला जाना चाहिये। औषधि निरीक्षक अरविन्द कुमार ने कहा कि फार्मासिस्ट चिकित्सा सेवा के अभिन्न अंग हैं। डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि फार्मासिस्टों के बिना चिकित्सा सेवा संचालित करना संभव नही है। उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

गोष्ठी को राष्ट्रीय महासचिव डा. मनोज कुमार पाण्डेय, फेडरेशन जिलाध्यक्ष डा. पवन कुमार पाण्डेय, डा. मनोज कुमार चौधरी, डा. जमाल अहमद, डा. मो. शमीम, जफर अहमद अंसारी, राम महेश चौधरी, आदि ने सम्बोधित करते हुये फार्मासिस्टों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये एकजुटता पर जोर दिया। डा. सुधाशु मिश्र, नरेन्द्र कन्नौजिया, आर्ष उपाध्याय, शैलेन्द्र पाण्डेय आदि ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्टों के लिये स्पष्ट नीति बनाये जाने की जरूरत है। वर्षो तक प्रशिक्षण के बाद उनकी नियुक्ति न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि दुखियों की सेवा फार्मासिस्टों का धर्म है। फार्मासिस्टों को उनका अधिकार मिलना चाहिये। सरकारी अस्पतालों में फार्मासिस्टों की मानक के अनुरूप नियुक्ति के साथ ही संख्या के अनुरूप उसकी समीक्षा की जानी चाहिये।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जय प्रकाश मौर्या, दुर्गेश गुप्ता, अमर जीत चौधरी, पप्पू यादव, विकास अग्रहरि, लवकुश यादव, हर्ष कालरा, सचिन यादव, रवि विश्वकर्मा, रामपाल चौधरी, मस्तराम, गंगाराम, श्रवण यादव, अमित चौधरी, शफीक अहमद, विक्रान्त पाण्डेय, मधुर प्रकाश चौधरी, आदित्य पाण्डेय, विवेक, कृष्ण पाल यादव, संघ प्रिय गौतम, दया सिंह, विवेकानन्द पाण्डेय के साथ ही अनेक फार्मासिस्ट एवं उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 सितम्बर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा में उच्च स्तरीय बैठकें हुईं, जिनमें तीन–भागों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने एक दिन क्वाड में और अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ बिडेन के साथ द्विपक्षीय बैठकों में , एक दिन न्यूयॉर्क में व्यापारिक नेताओं और प्रवासी भारतीयों के साथ और एक और दिन संयुक्त राष्ट्र में और द्विपक्षीय बैठकों में बिताया।ऐसे वक्त में जब प्रधानमंत्री की रूस व यूक्रेन यात्रा के बाद पश्चिमी जगत की प्रतिक्रिया को लेकर तरह–तरह के विमर्श पेश किए जा रहे थे, उस लिहाज से उनकी अमेरिका यात्रा के हासिल समझना कठिन नहीं है। अब चाहे क्वाड में भारत की सार्थक उपस्थिति हो या अपने कार्यकाल के अंतिम चरण में पहुंचे राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मोदी की केमिस्ट्री हो, उसकी देश–विदेश के मीडिया में चर्चा हुई। उन्हें सुनने उमड़ा विशाल भारतवंशी समुदाय उनकी लोकप्रियता के ग्राफ को दर्शाता है।

अब भले ही मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर राजग व भाजपा के नेता कसीदे पढ़ रहे हों, लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रधानमंत्री के साढ़े चार मिनट के भाषण की चर्चा जरूर हुई है। उन्होंने प्रतीकों व प्रतिमानों के जरिये संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत, ग्लोबल साउथ की आवाज और चीन की समुद्री क्षेत्रों में दादागीरी व पाक के आंतकवाद पोषण को बिना नाम लिये उजागर किया। एक मायने में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को उसके मुख्यालय में आईना दिखाया कि विश्व में उभरती शक्तियों को संयुक्त राष्ट्र में न्यायोचित स्थान नहीं मिला। उन्होंने भारत की विशाल जनसंख्या, तेजी से बढ़ती आर्थिक हैसियत तथा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संयुक्त राष्ट्र में बड़ी भूमिका की जरूरत को बताया। संयुक्त राष्ट्र की 'समिट ऑफ द फ्यूचर' में दिया गया प्रधानमंत्री का भाषण पहली नजर में सपाट नजर आता है, लेकिन इसके जरिये दुनिया के बड़े देशों के लिये साफ संदेश निहित था। उन्होंने भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिये सुरक्षा परिषद के लिये दरवाजे बंद करने पर सवाल उठाए। उन्होंने भारत द्वारा सफलता से आयोजित जी–20 सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता दिये जाने का जिक्र करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र को भी नये विश्व की आकांक्षाओं का सम्मान करना चाहिए। उनका आग्रह था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की आवाज को सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम दुनिया की आबादी के छठवें हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं का जिक्र करते हुए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि कैसे देश ने दुनिया के सबसे बड़े चुनाव का बखूबी आयोजन किया। लेकिन दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र की संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे विकास का चेहरा मानवीय होना चाहिए। मानव कल्याण के लिये खाद्य, स्वास्थ्य व सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने भारत में गरीबी से निकाले गए करोड़ों लोगों का उदाहरण देते हुए कहा कि यह समावेशी विकास से ही संभव हुआ। साथ ही कहा कि हम यह अनुभव ग्लोबल साउथ के देशों के साथ साझा करने को तत्पर हैं। दरअसल, ग्लोबल साउथ के मायने हैं कि विकास की दौड़ में पीछे रह गए वे अफ्रीका व लैटिन अमेरिकी देश, जिन्हें आर्थिक संबल की जरूरत है। जिनके लिये वर्ष 2023 में भारत 'वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट' का आयोजन कर चुका है। भारत ने अपने अनुभवों का लाभ इन देशों के साथ बांटने में उत्सकुता दिखायी। प्रधानमंत्री ने फिर दोहराया कि विश्व शांति व विकास के लिये जरूरी है कि वैश्विक संस्थाओं के स्वरूप में सुधार किया जाए। दूसरी शब्दों में कहें कि तो प्रधानमंत्री ने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता दिए जाने की वकालत की है। वहीं दूसरी ओर उन्होंने पाकिस्तान व चीन का नाम लिए बगैर साफ किया कि दुनिया की शांति व सुरक्षा के लिये आतंकवाद बड़ा खतरा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर इसके खिलाफ कार्रवाई की वकालत की।

श्रीलंका में बदलते राजनीतिक परिदृश्य

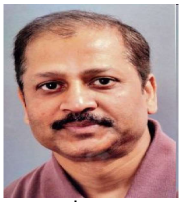

–पुष्परंजन–

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के राजनीतिक लक्ष्य अभी पूरे नहीं हुए हैं। यह लक्ष्य संसदीय चुनाव के बाद पूरा होना संभव है। श्रीलंका में 2022 के आर्थिक संकट के बाद पहला राष्ट्रपति चुनाव संपन्न हुआ, जिसमे वामपंथी अनुरा कुमारा दिसानायक को बम्पर जीत मिली है। नेशनल पीपुल्स पावर, सिंहली में जिसे 'जातिका जन बलवेगय', बोलते हैं, की स्थापना 2019 में हुई थी। संसद में इस पार्टी की हालत उस मोर की तरह है, जो नाचते हुए जब अपने पांव की ओर देखता है, ठहर जाता है। संसद में केवल तीन सांसदों के बूते अनुरा कुमारा दिसानायक कुछ भी कर पाने की स्थिति में नहीं हैं।

मंगलवार को नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) की सांसद डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। वह इस पद पर आसीन होने वाली 16वीं शख्सियत बन गईं। डॉ. हरिनी अमरसूर्या न्याय, शिक्षा, श्रम, उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और निवेश मंत्री के पोर्टफोलियो भी सम्भालेंगी। लेकिन यह सुनना थोड़ा अजीब लगेगा, कि प्रधानमंत्री के पद की शपथ लेने के चंद घंटों बाद श्रीलंका की संसद भंग कर दी जाएगी। अब संसदीय चुनाव दिसंबर में होंगे।

हालांकि, श्रीलंका में राष्ट्रपति, राज्य और सरकार दोनों का मुखिया होता है, लेकिन कार्यकारी राष्ट्रपति प्रणाली के कारण, दिसानायक को सारी चीजों को सुचारु रूप से चलाने के लिए सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होगी। श्रीलंका की 225 सदस्यीय मौजूदा संसद में अनुरा कुमारा दिसानायक की पार्टी के केवल तीन सांसद हैं। दक्षिणपंथी श्रीलंका पोदुजना पेरामुना के पास 225 सीटों में से 145 सीटों के साथ संसद में बहुमत रहा।

मंगलवार रात संसद भंग करने के बाद एनपीपी संसदीय चुनाव के लिए अपना अभियान शुरू करने की योजना बनाएगी। यदि एनपीपी दिसंबर में संसदीय चुनाव जीत जाती है, तो जो सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्र से सबसे अधिक वोट और निर्वाचित सांसदों के बीच सबसे अधिक समर्थन प्राप्त करता है, उसे नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाएगा। ऐसा नए राष्ट्रपति से सम्बद्ध सूत्रों ने जानकारी कोलम्बो से दी है।

तीन सदस्य और इतने सारे विभाग। नौकरशाही को चलाना भी इतना आसान नहीं, जहां संसद में एनपीपी के केवल तीन सदस्य हों। वरिष्ठ सांसद विजिता हेराथ और नए शपथ लेने वाले सांसद लक्ष्मण निपुण अराची को कई विभागों के साथ मंत्री नियुक्त किया जा चुका है। निपुण अराच्ची ने कल ही सांसद के रूप में शपथ ली। यह जगह कोलंबो निर्वाचन क्षेत्र में अनुरा कुमारा दिसानायके द्वारा रिक्त हुई थी। एनपीपी खेमे के सूत्रों ने कहा कि राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके संसद को भंग करने के बाद चुनाव की संभावित तिथि तय करेंगे। इस तिथि के बाद चुनाव आयोग नामांकन के लिए 10 से 17 दिनों का समय देगा।

श्रीलंका में चार मंत्रियों की एक अंतरिम कैबिनेट के बीच 15 विभागों का बंटवारा हो चुका है। राष्ट्रपति दिसानायक पर्यटन, रक्षा, वित्त, न्याय, उद्योग और निवेश संवर्धन विभागों को अपने पास रखेंगे, जबकि प्रधानमंत्री विदेश मामलों, शिक्षा और मास मीडिया के अलावा बाकी विभागों को दो अन्य साथियों के सुपुर्द करेंगी। नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के एक वरिष्ठ सूत्र ने कहा कि दो महीने तक शासन सुचारु रूप से चलाने की चुनौती रहेगी, लेकिन हमारे नेता ऐसे समय को भी ढंग से मैनेज कर लेंगे।

सबसे बड़ा सवाल है कि क्या श्रीलंका का निर्वाचन आयोग स्वतंत्र और दबावमुक्त है? श्रीलंका का मीडिया गाहे–बगाहे टीएन शेषन को याद करता है। वहां के दैनिक अखबार डेली मिरर ने अपने सम्पादकीय में लिखा, 'भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के कार्यकाल के दौरान राजनेताओं को चुनाव कानूनों और दिशा–निर्देशों का उल्लंघन करने का डर था। एक मामले में, मध्य प्रदेश के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान स्थगित कर दिया गया था, जहां एक कार्यरत राज्यपाल अपने बेटे के लिए प्रचार कर रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप अंततः राज्यपाल को इस्तीफा देना पड़ा। मैंने 'राजनेताओं को नाश्ते में खा लिया', शेषन प्रसिद्ध टिप्पणी थी।'

श्रीलंकन मेन स्ट्रीम मीडिया को अब भी लगता है कि भारत का निर्वाचन आयोग बिना किसी दबाव के काम करता है। उसकी वजह कोलम्बो में निर्वाचन आयुक्त का प्रेशर में बने रहना भी है। ताजा उदाहरण अभी का ही है, जब चुनाव आयोग के निर्देशों की अनदेखी करते हुए चुनाव अभियान के दौरान एस्टेट कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की गई थी। मतदाताओं को रिश्वत देने और सत्ता का दुरुपयोग जैसी बीमारी चालीस साल पुरानी है। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव ऐसे होते हैं, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति व्यक्तिगत रूप से चुनाव लड़ सकते हैं, या पद पर रहते हुए अपनी पार्टी के किसी सदस्य को चुनाव में खड़ा कर सकते हैं, जो समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। प्रांतीय परिषद और स्थानीय सरकार के चुनावों का समय व्यावहारिक रूप से कार्यपालिका द्वारा निर्धारित किया जाता है।

वर्ष 1982 से अब तक देश में हुए नौ राष्ट्रपति चुनावों में से कोई भी चुनाव समान अवसर वाले माहौल में नहीं हुआ है, क्योंकि उम्मीदवारों में से एक या उसकी पार्टी के नेता को पहले से ही मौजूदा राष्ट्रपति के रूप में पुलिस, सशस्त्र बलों, सभी मंत्रालयों और विभागों सहित पूरे राज्य तंत्र को ऐसे चुनावों के दौरान जुटाने का अधिकार दिया गया था। पूर्व राष्ट्रपति डीबी विजेथुंगा को छोड़कर, अन्य सभी राष्ट्रपतियों ने लगातार चुनावों में अपनी पार्टी के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपनी कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल किया। नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भी अपने भाषण में स्वीकार किया कि सत्ता पक्ष ने निर्वाचन आयोग को 'घर की मुर्गी' समझ रखा था।

बहरहाल, इस बार के परिणाम में पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को जोर का झटका धीरे से लगा है। रानिल विक्रमसिंघे भविष्य में होने वाले आम चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि पार्टी का मार्गदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यूएनपी के उपनेता रुवान विजेवर्धने और अध्यक्ष वजीरा अबेवर्देना ने कुछ समय पहले श्री विक्रमसिंघे द्वारा लिए गए निर्णय की पुष्टि की। रानिल विक्रमसिंघे अपनी पार्टी के मार्गदर्शक मंडल में रहकर यूएनपी का कितना उत्थान कर पाते हैं, उसे आने वाले वक्त पर छोड़ देते हैं।

संसद में श्रीलंका पोदुजना पेरामुना के पास 225 सीटों में से 145 सीटों का होना राजपक्षे कुनबे के दम्भ को बरकरार रखे हुए है। 2.57 वोट प्रतिशत के साथ राजपक्षे का राइजिंग स्टार नमल, श्रीलंका के राजनीतिक क्षितिज से धूमकेतु की तरह गायब हो चुका है। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे सोमवार को काठमांडो पहुंच गए। गोटबाया इसे 'निजी यात्रा' बताकर गए हैं। लेकिन गोटबाया का काठमांडो में चीनी कूटनीतिकों से मिलने का कार्यक्रम क्यों है? इस सवाल पर चुप्पी है।

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ई–कॉमर्स से खतरे में किराना कारोबार

–अंबी परमेश्वरन–

लगभग 10 साल पहले, ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म और मार्केटप्लेस आए। उन्होंने बहुत ज्यादा छूट दी, लेकिन उनकी सीमाएं थीं। आपको यह सुनिश्चित करने की जरूरत थी कि डिलीवरी कब होगी। और अगर आप अगली बिल्डिंग में किसी दोस्त से बात कर रहे थे, जैसा कि ज्यादातर भारतीय करते हैं, तो आप डिलीवरी से चूक जाएंगे। इस आखिरी मील या आखिरी मिनट की समस्या को क्विक कॉमर्स (क्यू–कॉम) व्यापारियों ने हल कर दिया है। वे सीमित रेंज में सामान देते हैं। छूट कॉस्टको के स्तर पर नहीं है, लेकिन वे 10 या 15 मिनट के भीतर डिलीवरी का वादा करते हैं। यह मॉडल घनी आबादी वाले शहरों के लिए एक विजयी प्रस्ताव है। जबकि सभी क्यू–कॉम व्यापारी अभी भी पैसे खो रहे हैं, लेकिन वे प्रभाव डालते दिख रहे हैं।

ई –कॉमर्स का एक छोर पूरी तरह से इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों से की जाने वाली सेवाओं की बिक्री है, जिसमें आपके मोबाइल फोन पर बस कुछ ही क्लिक होते हैं। आप अपने स्मार्टफोन के जरिए बीमा पॉलिसी खरीद सकते हैं और उसका पूरा भुगतान कर सकते हैं। यही बात एयरलाइन टिकट, मूवी टिकट या होटल के कमरों के लिए भी कही जा सकती है। फिर ई–कॉमर्स का इस्तेमाल ऐसे ब्रांड करते हैं जो उत्पाद बेचते हैं। उदाहरण के लिए, ओला ई–बाइक पूरी तरह से ऑनलाइन बेची जाती है। आप ऑर्डर देते हैं और बाइक आपके घर पर डिलीवर हो जाती है (ओला अब अपने खुद के उपभोक्ता संपर्क केंद्र भी स्थापित कर रही है)। और फिर ऐसे उत्पाद हैं, जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से बेचे जाते हैं और यहां भी कई तरह के बदलाव हैं। नाइकी जैसे ब्रांड अपने स्टोर के साथ–साथ अपनी वैबसाइट और अन्य ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म से भी जूते बेचते हैं।

छोटे ब्रांड भी ई–कॉमर्स माध्यम से पूरे देश में बिक्री करने में सक्षम हैं। उनके पास नाइकी जैसा ब्रांड आकर्षण नहीं है और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म की मदद के बिना बहुत से लोग उनके उत्पादों को नहीं देख पाते। ये प्लेटफॉर्म छोटे निर्माताओं को दुनिया की एक झलक प्रदान करते हैं। मेरे कई परिचित लोग स्पष्ट रूप से कहते हैं कि ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म एक बड़ा वरदान है। यहां तक कि जब मैंने उनसे ग्राहक डाटा के नुकसान के बारे में पूछा (चूंकि प्लेटफॉर्म के पास डेटा है), तो एक व्यक्ति ने यहां तक कहा कि बड़े ब्रांड इस दृष्टिकोण को सांझा नहीं करते। लेकिन कुर्ती या अगरबत्ती बनाने वाली एक छोटी कंपनी ग्राहक डाटा के नुकसान के बारे में कम चिंतित है। फिर किराना व्यापारी आता है, जो कई खतरों का सामना कर रहा है। दो दशक पहले, ये आधुनिक व्यापार आऊटलैट थे। भारतीय किराना अस्तित्व के मामले में माहिर है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, यू.पी.आई. भुगतान इंटरफेस, त्वरित डिलीवरी और बहुत कुछ अपनाया है।

जैसा कि एक विशेषज्ञ ने मुझे बताया, स्थानीय किराना अपनी स्थानीय सुविधा के कारण दुर्जेय आधुनिक व्यापार से बच गया। किराना तक चलकर जाना और अपनी जरूरत की चीजें खरीदना आसान था, जबकि कष्ट करके सुपरमार्केट तक जाने के लिए पर्याप्त धन खर्च करना, दी जाने वाली छूट को उचित नहीं ठहराता। अमरीकी खरीदारों के विपरीत, जो कॉस्टकोध्वॉलमार्ट से हर महीने छूट वाली किराने की वस्तुएं खरीदते हैं और उन्हें अपने बड़े घरों/गैरेजों में रखते हैं, शहरी भारतीयों के घर छोटे होते हैं।

फिर लगभग 10 साल पहले, ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म और मार्केटप्लेस आए। उन्होंने बहुत ज्यादा छूट दी, लेकिन उनकी सीमाएं थीं। आपको यह सुनिश्चित करने की जरूरत थी कि डिलीवरी कब होगी। और अगर आप अगली बिल्डिंग में किसी दोस्त से बात कर रहे थे, जैसा कि ज्यादातर भारतीय करते हैं, तो आप डिलीवरी से चूक जाएंगे। इस आखिरी मील या आखिरी मिनट की समस्या को क्विक कॉमर्स (क्यू–कॉम) व्यापारियों ने हल कर दिया है। वे सीमित रेंज में सामान देते हैं। छूट कॉस्टको के स्तर पर नहीं है, लेकिन वे 10 या 15 मिनट के भीतर डिलीवरी का वादा करते हैं। यह मॉडल घनी आबादी वाले शहरों के लिए एक विजयी प्रस्ताव है। जबकि सभी क्यू–कॉम व्यापारी अभी भी पैसे खो रहे हैं, लेकिन वे प्रभाव डालते दिख रहे हैं।

जैसा कि इस क्षेत्र के एक विशेषज्ञ ने बताया, किराना व्यापारी स्वाभाविक रूप से अक्षम हैं। वे जीवित रहते हैं क्योंकि वे अक्सर अचल संपत्ति के मालिक होते हैं (या पुरानी दरों पर किराया देते हैं) और परिवार दुकान चलाता है, इसलिए कोई या न्यूनतम वेतन लागत नहीं होती। यह उन्हें अक्षमताओं के बावजूद कम मार्जिन के साथ काम करने की अनुमति देता है। अपने स्थानीय किराना से लिक्विड डिटर्जेंट का एक बड़ा पैक खरीदने की कोशिश करें और आपको इस तरह के बहाने सुनने को मिल सकते हैं, ''कंपनी का आदमी अभी तक नहीं आया।'' या ''आखिरी पैकेट कल ही बिक गया था।''

ऐसा कहने के बावजूद, मेरा मानना है कि विनम्र भारतीय किराना व्यापारी बिना संघर्ष के हार नहीं मानेंगे। वे अपने उद्देश्य के लिए सरकार से समर्थन मांग रहे हैं। कुछ समझदार किराना व्यापारी पहले से ही विशेषज्ञ खाद्य दुकानें, मिनी–सुपरमार्केट बन रहे हैं, या अपनी खुद की कुशल डिलीवरी प्रणाली स्थापित कर रहे हैं। कुछ तो अपनी 'खाता' प्रणाली का विस्तार भी कर रहे हैं। यह एक कठिन लड़ाई होने जा रही है।

एक प्रवृत्ति मोबाइल कॉमर्स का उदय है, क्योंकि अधिक लोग अपने स्मार्टफोन और टैबलेट पर खरीदारी कर रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह सुविधाजनक और उपयोग में आसान है, और ऐसे कई ऐप हैं जो ऑनलाइन खरीदारी को आसान बनाते हैं।

एक और चलन सोशल कॉमर्स का उदय है, जिसमें फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से उत्पादों को खरीदना और बेचना शामिल है। इससे व्यवसायों को बड़ी संख्या में संभावित ग्राहकों तक पहुंचने में मदद मिलती है।

तीसरा रुझान विकासशील देशों में ई–कॉमर्स का विकास है, क्योंकि ज़्यादा से ज़्यादा लोगों की इंटरनेट तक पहुँच है और वे ऑनलाइन सामान और सेवाएँ खरीदने में सहज हो रहे हैं। इससे व्यवसायों को अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने के अवसर मिलते हैं।

बीच बहस में एक देश एक चुनाव

–पूनम आई. कौशिश–

उमस भरे इस मौसम में हरियाणा और कश्मीर में जारी चुनावी नौटंकी के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व राष्ट्रपति कोविंद समिति की 320 पेज की रिपोर्ट पर अपनी स्वीकृति की मुहर लगा दी है। इस रिपोर्ट में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की सिफारिश की गई है और केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस रिपोर्ट को स्वीकृति देने से देश में एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया का आरंभ हो चुका है। चुनावी प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव होंगे और उसके बाद 100 दिन के भीतर नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव होंगे। इसके साथ ही प्रावधान को लागू करने की तिथि निर्धारित करने के बाद किसी भी चुनाव में गठित सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल के समाप्त होने के साथ समाप्त हो जाएगा और इस संबंध में इस बात को ध्यान में नहीं रखा जाएगा कि विधानसभा का गठन कब हुआ था और इस संबंध में संवैधानिक संशोधन के लिए राज्यों के अनुसमर्थन की आवश्यकता नहीं होगी।

विधि आयोग ने 2015 और 2018 में एक साथ चुनावों की सिफारिश की थी, ताकि नागरिकों, राजनीतिक दलों और सरकार को बार–बार चुनाव से छुटकारा मिल सके और यदि ऐसा होता है तो यह सर्वोत्तम राष्ट्रीय हित में होगा। प्रधानमंत्री मोदी की सोच यही है और वर्ष 2016 से उन्होंने अनेक बार एक राष्ट्र, एक चुनाव का उल्लेख किया है। एक राष्ट्र, एक चुनाव से नेताओं और पार्टी कार्यकर्त्ताओं को जनोन्मुखी योजनाएं चलाने का समय मिलेगा और साथ ही राजकोष और दलों का पैसा बचेगा। भाजपा और उसकी सहयोगी जद (यू) और तेदेपा आदि इसका समर्थन करती हैं, जबकि कांग्रेस, वामपंथी दल और तृणमूल कांग्रेस इसे एक दिखावा और अव्यावहारिक तथा लोकतंत्र विरोधी मानते हैं। एक वरिष्ठ नेता के शब्दों में, ''इसके लिए कम से कम 5 संवैधानिक संशोधन करने पड़ेंगे और भाजपा के पास इसके लिए संख्या नहीं है।''

वर्तमान में चुनावों के दौरान शोर–शराबापूर्ण चुनाव प्रचार, फिजूलखर्ची, रैलियां, सड़कों को बाधित करना आदि हमारे जीवन में बाधाएं उत्पन्न करते हैं। बार–बार चुनाव होने से न केवल शासन प्रभावित होता है, जैसे कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आदि सभी अपनी–अपनी पाघ्टयों के लिए चुनाव प्रचार करते हैं, किंतु यह हमारी राजनीति और शासन व्यवस्था को चारों ओर से प्रभावित करते हैं क्योंकि चुनावों का सिलसिला, सप्ताह–दर–सप्ताह, माह–दर–माह और वर्ष–दर–वर्ष निरंतर जारी रहता है। क्या हमें इसका सामना करना चाहिए? निरूसंदेह यह अक्षमता और शासन में उदासीनता से मुक्ति प्राप्त करने का एक उपाय हो सकता है, किंतु यह एक ऐसा विचार है, जिस पर सभी स्तरों पर गहनता से विचार किया जाना चाहिए और संसद द्वारा इसे स्वीकृति देने से पूर्व इसके लाभ–हानि पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए क्योंकि इस संशोधन का तात्पर्य है संविधान के बुनियादी ढांचे में बदलाव लाना।

जो लोग इसके पक्षधर हैं, उनका कहना है कि एक बार किसी पार्टी के निर्वाचित होने और उसकी सरकार बनने के बाद वह कार्य करने लगेगी और जनता के हित में कठोर निर्णय लेगी तथा अपने वोट बैंक पर इसके प्रभावों की परवाह किए बिना सुशासन देगी क्योंकि अनेक अच्छी पहलें केवल चुनावी कारणों से टाल दी जाती हैं, कि कहीं इससे जातीय, क्षेत्रीय और धार्मिक समीकरण न गड़बड़ाए और सब कुछ नीतिगत पंगुता, कुप्रबंधन और खराब कार्यान्वयन के शिकार बन जाते हैं। स्वतंत्रता के बाद पहले दो दशकों में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के साथ–साथ चुनाव हुए, जब तक इन चुनावों को राजनीति ने प्रभावित नहीं किया। 1971 में इंदिरा गांधी ने लोकसभा को विघटित कर एक वर्ष पूर्व चुनाव कराए और इससे यह तारतम्य टूट गया, जिसके चलते केन्द्र और राज्यों में अनेक अस्थिर सरकारें बनीं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

क्र0	प्रापर्टी आई0डी0	आवेदन संख्या	वर्तमान नाम	प्रास्तावित नाम		अधार
1	2	3	4	5		6
1	0951701002024388R/	PM5172425003177/	जयराम गुप्ता पुत्र महाबीर गुप्ता	अरविन्द कुमार गुप्ता अरून कुमार गुप्ता, अजय कुमार गुप्ता विजय कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार, राजेश कुमार गुप्ता	जय राम गुप्ता	रजि0 वसीयत
2	0951701003022583R/	PM5172425003171/	श्री नसरुल्लाह	मेहरूननिशा	नसरुल्लाह	कोर्ट आर्डर
3	0951701008033049R/	PM5172425003168/	श्री अश्वनी कुमार मिश्र पुत्र स्व० चन्द्रभान मिश्र	अरविन्द सिंह	विजय पाल सिंह	रजि0 सेल डीड
4	0951701004020792R/	PM5172425003167/	श्री दूधनाथ पुत्र स्व० सरजू प्रसाद सत्यावती पत्नी स्व० सोमनाथ अश्वनी पुत्र स्व० सोमनाथ सीया वर्मा पुत्री स्व० सोमनाथ जितेन्द्र कुमार पुत्र स्व० बैजनाथ	विमला देवी आशुतोष नेहा	दूधनाथ	वारिसान
5	0951701008031296R/	PM5172425003165/	श्री रतन कुमार व श्री रत्नेश कुमार पुत्रगण श्री दिलीप कुमार श्रीवास्तव	दिलीप कुमार श्रीवास्तव	विजय श्रीवास्तव	वारिसान
6	0951701006022664R/	PM172425003163/	शान्ती देवी पत्नी बहरैची राम	प्रमोद कुमार	बहरैची राम	कोर्ट आर्डर
7	0951701006035905R/	PM5172425003160/	श्री अजीजुल्ला पुत्र स्व० हफीजुल्ला	मो० एच०डी० सलीम	अजीजुल्लाह	वारिसान
8	0951701005036868R/	PM5172425003152/	श्री स्वप्न खरे पुत्र स्व० श्री शैलेन्द्र कुमार खरे	संजय कुमार गुप्ता	हरीशंकर	रजि0 सेल डीड
9	0951701004020070R/	PM5172425003150/	शिवपूजन पुत्र माता प्रसाद	शिव प्रसाद वर्मा	माता प्रसाद	रजि0 सेल डीड
10	0951701006036898R/	PM5172425003149/	श्री अजय पाल पुत्र बालेन्द्र पाल	विमला	उमा शंकर	रजि0 सेल डीड
11	0951701004025798R/	PM5172425003151/	श्री सुरेश चन्द्र शुक्ल, श्री रमेश चन्द्र शुक्ल पुत्रगण श्री रविनाथ शुक्ल, श्रीमती पुष्पा शुक्ला पत्नी स्व० महेश चन्द्र, श्री रितेश, शुक्ला, श्री राजेश कुमार शुक्ला पुत्रगण स्व० महेश चन्द्र	जितेन्द्र नाथ शुक्ला	सुरेश चन्द्र शुक्ला	वारिसान
12	0951701003021031R/	PM5172425003146/	रूस्तम देवी पत्नी मनोहर सिंह	असलम	लल्लन मिस्त्री	रजि0 सेल डीड
13	0951701005027554R/	PM5172425003147/	श्रीमती राधिका शुक्ला पत्नी कुलदीप नाथ शुक्ला व कुलदीप नाथ शुक्ला पुत्र रान अजोर शुक्ल	सरिता शुक्ला	सुजीत शुक्ला	रजि0 सेल डीड
14	0951701006028389R/	PM5172425003143/	श्री साबिर अली खाँ पुत्र स्व० माजिद अली खां	अब्दुल्लाह खान	शावीर अली	वारिसान
15	0951701006021438R/	PM5172425003144/	श्री साबिर अली पुत्र माजिद अली	अब्दुल्लाह खान	शाबीर अली	वारिसान
16	0951701008034693R/	PM5172425003140/	श्रीमती सोहदता देवी पत्नी राम सुमेर, श्रीमती फूला देवी पत्नी राम कुमार	राम कुमार	राम लगन	वारिसान
17	0951701002023440R/	PM5172425003135/	गौरीशंकर पुत्र बेनीराम	श्याम किशोर पवन कुमार	गौरी शकर गुप्ता	वारिसान
18	0951701008033977R/	PM5172425003134/	श्रीमती उषा देवी पत्नी रामलखन मौर्या	राम लखन	रघुनाथ मौर्या	वारिसान
19	0951701005022548R/	PM5172425003133/	तीरथ प्रसाद पाण्डेय पुत्र सत्य नरायन पाण्डेय	सावित्री	कृष्ण कुमार	रजि0 वसीयत
20	0951701008034598R/	PM5172425003132/	नवल किशोर लाल, विनय कुमार पुत्र दल सिंगार लाल	प्रदीप कुमार श्रीवास्तव	नवल किशोर लाल श्रीवास्तव	वारिसान
21	0951701008034598R/	PM5372425003131/	नवल किशोर लाल, विनय कुमार पुत्र दल सिंगार लाल	अनूप कुमार श्रीवास्तव	विनय कुमार श्रीवास्तव	वारिसान
22	0951701007035436R/	PM5172425003129/	सरफराज हुसेन पुत्र अकबाल हुसेन	मोहम्मद असद खान	सरफराज हुसैन खाँन	वारिसान
23	0951701007026134R/	PM5172425003127/	केशवराम पुत्र मोल्हूराम	चन्द्र धर दूबे	केशवराम दूबे	वारिसान
24	0951701007019216R/	PM172425003124/	अनारा देवी पत्नी काशी राम	कमलेश कुमार	काशी राम	वारिसान
25	0951701004024167R/	PM5172425003125/	हरीराम, छोटू पुत्र पदारथ	पतराजी	हरीराम	रजि0 वसीयत
26	0951701004025777R/	PM5172425003123/	श्री विजेन्द्र वर्मा, अमितेन्द्र वर्मा पुत्रगण मणिलाल वर्मा	विजेन्द्र वर्मा	मनीलाल वर्मा	रजि0 सेल डीड
27	0951701005023729R/	PM5172425003122/	श्री प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव पुत्रगण जगन्नाथ प्रसाद श्रीवास्तव	कुमकुम श्रीवास्तवा	प्रमोद कुमार श्रीवास्तवा	वारिसान
28	0951701008034780R/	PM5172425003121/	श्री अशोक कुमार, अरुण कुमार, दीपा कुमार पुत्रगण तोखू लाल प्रत्येक का 1/5 भाग एवं अनूप कुमार पुत्र तोखू लाल 2/5 भाग	अश्वनी कुमार श्रीवास्तव	अशोक श्रीवास्तव	वारिसान
29	0951701005021950R/	PM5172425003115/	श्री मोहम्मद रजा पुत्र सुबराती व श्री मोहम्मद मुस्तफा पुत्र सुबराती	एन०डी० हुसैन	मुस्तफा	वारिसान
30	0951701002023905R/	PM5172425003113/	मो० रजा एवं श्री मुस्तफा पुत्र सुबराती	एम०डी० हुसैन	मुस्तफा	वारिसान
31	0951701008034796R/	PM5172425003114/	राम नरेश पुत्र राम प्रसाद	राम लाल	राम नरेश	वारिसान
32	0951701001023843R/	PM172425003116/	कृष्ण चन्द्र पुत्र रामदेव	बृजेश कुमार	श्री कृष्ण चन्द्र गुप्ता	वारिसान
33	0951701008031655R/	PM5172425003118/	रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव पुत्र दुर्गा प्रसाद श्रीवास्तव	धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव	वारिसान
34	0951701005022025R/	PM5172425003108/	श्री राजेश कुमार सिंह पुत्र राम जन्म सिंह व शैलेस कुमार सिंह पुत्र रामजन्म सिंह	मनीष कुमार सिंह	ध्रुव नाथ सिंह	रजि0 सेल डीड
35	0951701006028071R/	PM5172425003109/	श्री ज्ञानीश चन्द श्रीवास्तव पुत्र स्व० राममूरत श्रीवास्तव	रोचक श्रीवास्तवा	ज्ञानीश चन्द्र श्रीवास्तवा	रजि0 सेल डीड
36	0951701007028313R/	PM5172425003107/	श्री जयप्रकाश पाण्डेय पुत्र स्व० रामबचन पाण्डेय	अनूप सिंह	सुबाष सिंह	रजि0 सेल डीड
37	0951701006028002R/	PM5172425003106/	श्री विश्वनाथ लाल श्रीवास्तव पुत्र स्व० पिंगल प्रसाद	मनीष श्रीवास्तव मानव श्रीवास्तव	विश्वनाथ श्रीवास्तव	रजि0 वसीयत
38	0951701008032800R/	PM5172425003105/	कंचन भाटिया	उषा पाल सिंह	राम सरन पाल सिंह	रजि0 सेल डीड
39	0951701005035771R/	PM5172425003102/	श्री जगदीश प्रसाद जगजीवन व सर्वजीत पुत्रगण स्व० सीताराम	सुभावती	जगदीश प्रसाद	वारिसान
40	0951701004024164R/	PM5172425003101/	राम सागर पुत्र लुटावन	राम प्रसाद	राम सागर	वारिसान
41	0951701004020343R/	PM5172425003103/	राम रूप पुत्र कल्पू	कंचन सोनी	रवि सोनी	रजि0 सेल डीड
42	0951701003019123R/	PM5172425003100/	ओरी पुत्र कोदई	राम उजागिर अनर नाथ श्यान राजी	राम नरायन जोखन प्रसाद	वारिसान
43	0951701006029429R/	PM5172425003098/	श्री वारिस अली, अकवाल अहमद, जमाल अमद पुत्रगण स्व० रियासत अली	मेहताब इकबाल आलम	इकबाल अहमद	वारिसान
44	0951701008037279N/	PM5172425003093/	श्री सैय्यद मो० यसीग, सैय्यद मो० नईम, श्रीमती उरूज फात्मा पत्नी सैय्यद मोहम्मद समीम, सैय्यद काजिम हुसैन पुत्र सैय्यद मोहम्मद समीम, सैयद मो० कलीम पुत्रगण सैयद मो० मुनीर	फुरकाना वसीम	सैय्यद मोहम्मद	वारिसान
45	0951701001023647R/	PM5172425003099/	श्रीमती सुशीला देवी पत्नी कन्हैया लाल. सत्यजीत जायसवाल, सर्वजीत जायसवाल पुत्रगण कन्हैया लाल	अनूप कुमार वाधवानी	रमेश चन्द्र वाधवानी	रजि0 सेल डीड
46	0951701008037305N/	PM5172425003094/	श्री सैय्यद मो० वसीम, सैय्यद मो० नईम, श्रीमती उरूज फात्मा पत्नी सैय्यद मोहम्मद समीम, सैय्यद काजिम हुसैन पुत्र सैय्यद मोहम्मद समीम, सैयद मो० कलीम पुत्रगण सैयद मो० मुनीर	फुरकाना वसीम	सैय्यद मोहम्मद	वारिसान
47	0951701008037442N/	PM5172425003095/	श्री सैय्यद मो० वसीम, सैय्यद मो० नईम, श्रीमती उरूज फात्मा पत्नी सैय्यद मोहम्मद समीम, सैय्यद काजिम हुसैन पुत्र सैय्यद मोहम्मद समीम, सैयद मो० कलीम पुत्रगण सैयद मो० मुनीर	फुरकान वसीम	सैय्यद मोहम्मद	वारिसान
48	0951701005020469R/	PM5172425003092/	श्री अमीत कुमार अस्थाना पुत्र स्व० प्रेमजी अस्थाना, हरि प्रताप अस्थाना पुत्र स्व०राम कुमार लाल अस्थाना	अतुल कुमार अस्थाना	रवि चन्द्र अस्थाना	रजि0 सेल डीड
49	0951701008032956R/	PM5172425003081/	शैल कुमारी द्विवेदी पत्नी वृजभूषण	महेश द्विवेदी	बृजभूषण द्विवेदी	वारिसान
50	0951701006028505R/	PM5172425003076/	वकील अहमद पुत्र इब्राहिम	इकरारूल हक असारूल हक इसरारूल हक रियाजुल हक अंशानुल हक	वकील अहमद	वारिसान
51	0951701006028504R/	PM5172425003075/	श्री वकील अहमद पुत्र इब्राहिम	इकरारूल हक अंसारूल हक इसरारूल हक रियाजुल हक अशानुल हक	ओधी वीजेन	वारिसान
52	0951701005027088R/	PM5172425003061/	चुन्नन बेगम पुत्री आमिना खातून	शरीफ	हनीफ	वारिसान
53	0951701008031929R/	PM5172425003040/	श्री योगेन्द्र पुत्र चन्द्रदेव	शकुन्तला शर्मा	योगेन्द्र शर्मा	वारिसान

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांकः– 3554/A /न0पा0प0 बस्ती/कर अनुभाग/विज्ञप्ति/2024–25 दिनांकः–25 सितम्बर 2024

कोर्ट के आदेश पर 23 मकानों पर चला बुलडोजर

संवाददाता–बहराइच। कैसरगंज तहसील क्षेत्र के सराय जगना ग्राम पंचायत के वजीरगंज बाजार में बुधवार को कोर्ट के आदेश पर पक्के मकानों पर बुलडोजर चल गया। 23 मकानों को गिरा दिया गया। सुरक्षा को लेकर काफी पुलिस फोर्स मौजूद रही। कैसरगंज तहसील के फखरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सराय जगना में गाटा संख्या 92, 211 और 212 की जमीन खलिहान और रास्ते के लिए अंकित है लेकिन इसी जमीन पर गांव के लोगों ने कब्जा जमाया है। किसी ने पक्का तो किसी ने फूस की झोपड़ी रख ली है। 129 से अधिक लोग अपना निवास स्थान बनाकर रह रहे हैं। इनमें बड़े से लेकर बच्चे भी शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सभी 50 वर्षों से मकान बनाकर रह रहे हैं लेकिन अब इस जमीन को राजस्व कर्मियों ने कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया है। नोटिस वर्ष 2023 में ही मिल चुका था। इसके बाद भी जमीन पर कब्जा नहीं हटाया गया। कोर्ट ने जमीन से कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। बुधवार को एसडीएम आईएइस आलोक कुमार, सीआरओ के अलावा पुलिस और पीएससी की मौजूदगी में पक्के मकानों को तोड़ दिया गया। एसडीएम ने बताया कि पहले शिफ्ट में 23 मकान तोड़े जा रहे हैं। सुरक्षा को लेकर काफी पुलिस और पीएससी के जवानों के साथ महिला पुलिस कर्मी तैनात है।

जाली नोट प्रकरणः कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू से भी होगी पूछताछ

संवाददाता–कुशीनगर। जाली नोट प्रकरण में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू से भी कुशीनगर पुलिस पूछताछ करेगी। कुशीनगर पुलिस की जाली नोट कार्रवाई पर अजय लल्लू ने लगातार सवाल उठाए थे। अजय लल्लू की फोटो भी गिरफ्तार आरोपी औरंगजेब और नौशाद के साथ सोशल मीडिया पर शेयर हो रही है।

बताया जा रहा है कि पुलिस की कार्रवाई के बाद अजय कुमार लल्लू के फेसबुक पेज पर कुशीनगर पुलिस की कार्रवाई को गलत बताया था। ऐसे में कुशीनगर पुलिस अब अजय लल्लू से भी मामले में पूछताछ करेगी। अजय लल्लू कांग्रेस उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष थे। पुलिस इन्हें पूछताछ के लिए नोटिस भेजेगी।

जाली नोटों और अवैध असलहों के धंधे में संलिप्त सपा नेता समेत 10 बदमाशों के लिंक पुलिस विदेश तक तलाश रही है। नेपाल के अलावा बिहार, बंगाल और असम तक फैले नेटवर्क में शामिल पांच और संदिग्ध पुलिस के रडार पर हैं। पुलिस की पांच टीमें जेल भेजे गए बदमाशों की संपत्ति का ब्योरा खंगाल रही है। रसूख के बल पर इलाके में धौंस जमाने वाले आरोपियों की कस्बे में चर्चा रही। सोशल मीडिया पर कई पुलिसकर्मियों के साथ पकड़े गए सपा नेता का फोटो भी वायरल हो रहा है।

पुलिस ने जाली नोट गिरोह के एक और बदमाश को गोली मारकर दबोचा

संवाददाता–कुशीनगर। बुधवार को तड़के कुशीनगर में लगातार दूसरे दिन पुलिस मुठभेड़ हुई। इसमें जाली करंसी गिरोह का फरार 11 वां सदस्य पैर में गोली लगने के बाद पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया बदमाश पुराना पशु तस्कर भी है। उसके कब्जे से 30 हजार के जाली नोट, जाली नोट बदल कर जुटाए गए 10 हजार रुपए, अवैध तमंचा, दो खोखा व चार जिंदा कारतूस और एक बिना नंबर की बाइक बरामद, तीन प्रतिबंधित पशु तथा पशु वध के उपकरण बरामद किए गए हैं। जाली नोटों के कारोबार के मुकदमें में वांछित चल रहे इस बदमाश पर एसपी ने 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया था। जिला पुलिस की मिडिया सेल ने बताया कि बुधवार को भोर में थाना सेवरही, थाना तमकुहीराज, थाना तरयासुजान व थाना साइबर की संयुक्त टीम सेवरही थाना क्षेत्र में ग्राम बिनटोलिया आम के बगीचे के पास मुखबीर की सूचना पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक मोटर साइकिल वाहन से जाली नोट मामले में फरार अभियुक्त आते दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तारी हेतु रोकने का प्रयास किया गया तो वाहन पर सवार बदमाश द्वारा कुछ दुर पहले रुककर लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान मारने की नियत से फायरिंग की गई। जवाबी आत्मरक्षाध्प्रतिरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग की गयी जिसमें पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसकी पहचान मुस्तकीम पुत्र कलाम सा0 भूलिया अगरवा थाना तरया सुजान जनपद कुशीनगर के रुप में हुई है। अभियुक्त के कब्जे से जाली नोट 30000 रुपया, उक्त अपराध से अर्जित भारतीय मुद्रा नगद रुपया 10000 , एक तमंचा नाजायज 315 बोर, 4 जिंदा कारतूस नाजायज 315 बोर, 2 फायर सुदा कारतूस, बिहार बॉर्डर पर तस्करी के लिए बंधे गए 3 प्रतिबंधित पशु, 2 धारदार बाके, लकड़ी का ठोस ठीहा , रस्सी, कीपैड मोबाइल व एक मोटरसाइकिल बिना नम्बर प्लेट की बरामदगी की गयी। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। मुस्तकीम पर जिले के विभिन्न थानों में पहले से सात मुकदमे दर्ज है। इनमें सर्वाधिक पशु तस्करी और पशु वध से संबंधित है। बीते 23 सितंबर को पुलिस ने जाली नोटों के कारोबार करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए 10 शातिर अभियुक्तों को जेल भेजा गया था। जिसमें थाना तमकुहीराज में वांछित चल रहे अभियुक्त मुस्तकिम पुत्र कलाम निवासी भूलिया अगरवा थाना तरया सुजान जनपद कुशीनगर की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक कुशीनगर द्वारा 25 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया था।

कर अधिवक्ताओं ने किया मौन प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेश टैक्स बार एसोसिएशन के पंजीकृत कार्यालय वाराणसी द्वारा गठित निष्पक्ष न्याय अभियान समिति के आह्वान पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यपालिका द्वारा न्यायपालिका (अपीलीय अधिकारी) की स्वतंत्रता एवं न्यायिक अनुशासन में किए जा रहे अनधिकृत हस्तक्षेप एवं अतिक्रमण के विरुद्ध एकजुटता प्रदर्शित करना था।

उपस्थित अधिवक्ताओं ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु एकजुट होने का संकल्प लिया। निष्पक्ष न्याय अभियान समिति के प्रयासों की सभी ने सराहना की।

बैठक के उपरांत, बस्ती टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शशांक सोनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनमोहन श्रीवास्तव काजू महामंत्री सूर्यनारायण और कार्यकारिणी सदस्य रिपुंजय सहाय के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने एक शांति मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने अपनी बाँह पर काला बैंड एवं मुंह पर सफेद पट्टी बाँधकर अपना विरोध प्रकट किया। मार्च अपीलीय अधिकारी के कार्यालय तक पहुंचा, जहाँ एडिशनल कमिश्नर ग्रेड 2 (अपील) को विरोध पत्र सौंपा गया। इस दौरान, विरोध स्वरूप दो मिनट का मौन भी रखा गया।

कार्यक्रम में संत कबीर नगर टैक्स बार के अध्यक्ष सरवन, अग्रहरि, पतंजलि अग्रहरि दिग्विजय शुक्ल, ओम प्रकाश त्रिपाठी, राजेन्द्र गुप्ता, राघे मोहन अग्रहरि, राजेश श्रीवास्तव, राजेंद्र गुप्ता, नन्द लाल, शशांक सोनी कैलाश मोहन , आनंद राठौर,अंकुर, आनंद प्रताप, मनीष शंकर, रितेश, मर्तेंड सिंह, राकेश गुप्ता, अनूप श्रीवास्तव अतुल श्रीवास्तव, नंद लाल अग्रवाल,सहित कई प्रमुख अधिवक्ता उपस्थित रहे।

प्राकृतिक विधि से नाला शोधन के प्रोजेक्ट को जल्द पूरा करें

संवाददाता–गोरखपुर। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बुधवार को राप्ती तट पर तकियाघाट और इलाहीबाग नाला के पानी का (फाइटो रेमीडिएशन)प्राकृतिक विधि से शोधन कार्य का निरीक्षण किया। राप्ती में आई बाढ़ से बाए गए क्षतिग्रस्त स्ट्रक्चर की तत्काल मरम्मत करने के निर्देश दिए। चेताया कि हर हाल में 15 अक्तूबर तक कार्य को पूरा करें। अक्तूबर माह के आखिर तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निरीक्षण संभावित है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता संजय चौहान, अधिशासी अभियंता अशोक भाटी, सहायक अभियंता एन डी पांडेय, अवर अभियंता अवनीश भारती और अतुल कुमार समेत अन्य उपस्थित रहे। उन्होंने सीएम के निरीक्षण के मद्देनजर मुख्य अभियंता को समस्त आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। पर्यावरणविद प्रो. सीआर बाबू की सलाह पर तकियाघाट नाला के प्रदूषित जल को प्राकृतिक विधि (फाइटोरेमीडिएशन) से ट्रीट कर राप्ती नदी में का काम शुरू किया गया। इस परियोजना पर 02.9 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जा रही है। तकरीबन 2.20 किलोमीटर लम्बे इन नालों में छोटे बड़े 09 की संख्या में नाले जुड़ते हैं। इन नालों की बोल्डर पीचिंग कर बीच बीच में पत्थरों की दीवार बनाई गई है जिनसे पानी छन–छन कर आगे जाता है। दीवारों के बीच बीच में नाला के तल में में पत्थर बिछाए गए हैं, जहां नाला कच्चा है वहां पर आर्द्रभूमि प्रणाली विकसित कर विभिन्न प्रकार के जलीय पौधे लगाए गए हैं। ताकि पत्थर और पौधों से गुजरते हुए पानी स्वतरू साफ हो जाए। जल्द ही वाराणसी नगर निगम के अधिकारियों का दल निरीक्षण के लिए आने वाला है।

वैष्णो देवी और शिरडी साई मंदिर के बराबर पहुंची राममंदिर की सालाना आय

संवाददाता–अयोध्या। रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहे भक्त रामलला को निधि समर्पण भी करते हैं। जिसके चलते मंदिर निर्माण शुरू होने के कुछ ही वर्षों में राममंदिर की सालाना कमाई देश के प्रतिष्ठित मंदिरों वैष्णोदवी, शिरडी साई मंदिर व स्वर्ण मंदिर के बराबर पहुंच गई है। भक्त रामलला को दिल खोलकर दान कर रहे हैं। बीते वित्तीय वर्ष में रामलला को 363 करोड़ का दान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुआ है। इस पर मिले ब्याज को मिलाकर मंदिर की सालाना आय 400 करोड़ पहुंच गई है।

नौ नवंबर 2019 को रामलला के हक में निर्णय आने के बाद पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने राममंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखी थी। जब से राममंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन शुरू हुआ उसी दिन से रामभक्तों ने निधि समर्पित करनी शुरू दी। पिछले पांच सालों में रामलला को विभिन्न माध्यमों से 55 अरब का दान प्राप्त हुआ। जबकि 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोना भी मिला है। रामलला को ऑनलाइन, नगदी, चेक, आरटीजीएस के माध्यम से दान प्राप्त होता है। साथ ही विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त होने लगा है। पिछले एक साल में करीब 15 करोड़ का विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त हुआ है।

राममंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र बताते हैं कि रामलला को भक्त राम जन्मभूमि सेवा केंद्र स्थित दान काउंटर पर दान अर्पित करते हैं। इसके अलावा दर्शन पथ पर दान काउंटर बने हैं। राम कचहरी स्थित मंदिर में स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर दान लिए जाते हैं। मंदिर परिसर में रामलला के दान पात्र में भक्त चढ़ावा अर्पित करते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन माध्यमों से भी भक्त श्रद्धा अर्पित करते हैं। राममंदिर में सभी सुविधाएं निःशुल्क हैं। किसी भी सुविधा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उत्तरप्रदेश–उत्तराखंड एकोनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष व अयोध्या की अर्थव्यवस्था पर शोध कर रहे अवध विश्वविद्यालय के प्रो. विनोद श्रीवास्तव बताते हैं कि देश के प्रमुख मंदिरों की सालाना आय की बात करें तो सबसे आगे आंध्र प्रदेश का तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर है। इस मंदिर की सालाना आय करीब 1600 करोड़ है। यह दान के अलावा भी आय के अन्य माध्यम हैं। इसके बाद केरल पद्मनाभस्वामी मंदिर की आय करीब 700 करोड़ सालाना है। फिलहाल राममंदिर की सालाना आय कुछ ही वर्षों में वैष्णो देवी, शिरडी साई मंदिर के बराबर पहुंच गई है। जबकि दशकों पुराने अक्षरधाम, सोमनाथ व जगन्नाथ मंदिर कमाई में पीछे हो गए हैं।

माताओं ने निर्जला उपवास कर मांगी संतानों की लंबी उम्र

संवाददाता–गोरखपुर। संतान की लंबी आयु और सुख–समृद्धि के लिए बुधवार को माताओं ने जीवित्पुत्रिका (जिऊतिया) व्रत रखा। इस पवित्र व्रत को लेकर पूरे शहर में धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा। महिलाओं ने कठोर निर्जला उपवास रखते हुए विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मंगलवार को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर माताओं ने फल, दही, दूध और मिठाई को सरगी के रूप में ग्रहण कर व्रत का शुभारंभ किया। दिनभर उपवास के दौरान उन्होंने अपने घरों में और सार्वजनिक मंदिरों में पूजा–अर्चना की। भजन–कीर्तन का आयोजन करते हुए, महिलाओं ने अपने व्रत को सफलतापूर्वक निभाया। शाम के समय सोलह श्रृंगार करके माताओं ने स्थानीय मंदिरों में बरियार के पौधे की पूजा की और सामूहिक रूप से राजा जीमूतवाहन व राजा परीक्षित की कथा का श्रवण किया।

गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर, मोहद्दीपुर, गोरखनाथ, कूड़ाघाट सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में जुटकर पूजा की। बुधवार की रात भी माताओं ने अपना निर्जला उपवास जारी रखा। गुरुवार को वे गले में जिऊतिया धागा (पीला और लाल रंग का) धारण करने के बाद दान–पुण्य करेंगी। इसके बाद पारण करके व्रत का विधिवत समापन होगा। पूरे शहर में इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया और कई स्थानों पर बड़े स्तर पर भजन–कीर्तन और पूजा–पाठ का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी में खटक रही फार्मासिस्टों की कमी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में फार्मासिस्ट का बड़ा योगदान है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचल तक के 77 स्वास्थ्य केंद्रों पर पद के सापेक्ष 104 फार्मासिस्ट तैनात हैं। 14 के पद रिक्त पड़े हैं, इसमें चार स्वास्थ्य केंद्र मिठवल, लोटन, लेटरा (खुनियांव) व जोगिया का हाल खराब है। यह चारों स्वास्थ्य केंद्र बिना चीफ फार्मासिस्ट के संचालित हो रहे हैं। वहीं जिला अस्पताल में भी स्वीकृत पदों के सापेक्ष चीफ फार्मासिस्ट व फार्मासिस्ट के पद रिक्त पड़े हैं।

दरअसल, स्वास्थ्य सेवा में चिकित्सक के साथ फार्मासिस्ट का होना अनिवार्य है। इनके बगैर मरीजों को पूरी तरह से स्वास्थ लाभ नहीं मिल सकता है। फार्मासिस्ट ही मरीजों को दवा उपलब्ध कराने के साथ–साथ खाने के खुराक की जानकारी देता है। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्रों पर दवा स्टोर का जिम्मा भी इन्हीं के भरोसे रहता है, बावजूद कभी–कभी व्यवस्थाएं बिगड़ जाती हैं। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं में 12 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) व 63 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) संचालित है। इसमें चार ब्लॉक स्तरीय पीएचसी नौगढ़, बढ़नी, खुनियांव व भनवापुर शामिल है। इन सभी केंद्रों को मिलाकर 13 चीफ फार्मासिस्ट व 91 फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत हैं, बावजूद नौ चीफ फार्मासिस्ट व 90 फार्मासिस्ट वर्तमान में सेवाएं दे रहे हैं, शेष पद रिक्त पड़े हैं। वहीं बांसी शहर में संचालित पीएचसी अब अतिरिक्त हो गया है। यह पीएचसी अब 50 शैय्या अस्पताल हो गया है। इस पीएचसी के लिए चार फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत हैं, बावजूद चारों रिक्त पड़े हैं। विभाग जैसे–तैसे काम चला रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के सीएचसी मिठवल, लोटन, लटेरा (खुनियांव) व जोगिया में चीफ फार्मासिस्ट के पद रिक्त पड़े हैं। विभाग इनके पदों पर फार्मासिस्ट को चीफ फार्मासिस्ट का अतिरिक्त प्रभार देकर कार्य निपटा रहा है।

जिला अस्पताल में चीफ फार्मासिस्ट के तीन पद हैं, बावजूद वर्तमान समय में दो ही कार्यरत हैं। एक पद रिक्त पड़ा है। जबकि फार्मासिस्ट के सात पदों के सापेक्ष तीन कार्यरत हैं। चार पद रिक्त पड़ा है। जबकि जिला अस्पताल के मेडिकल कॉलेज में तब्दील होने के बाद मरीजों का दबाव लगातार बना है। ऐसे में आउटसोर्सिंग के जरिए फार्मासिस्ट की भर्ती कर कार्य निपटाया जा रहा है।

प्रधानाध्यापिया निलंबित, बंद विद्यालय से संबद्ध

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बीएसए देवेंद्र कुमार पाण्डेय ने प्राथमिक विद्यालय आमा बर्डपुर की प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया है। बीएसए ने यह कार्रवाई जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक की जांच रिपोर्ट पर की है। बीएसए ने प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर क्षेत्र के प्रावि अगया कला (बंद) से संबद्ध कर दिया है। साथ ही मामले में बीईओ बर्डपुर को आरोप पत्र तैयार करने 15 दिन के अंदर देने का निर्देश दिया। वहीं बीईओ शोहरतगढ़ को मामले में जांच अधिकारी नियुक्त किया है। बीएसए ने बताया कि बर्डपुर नंबर 12 के आमा टोला निवासी श्याम सुंदर पुत्र रामशरन समेत 23 ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय आमा बर्डपुर की प्रधानाध्यापिका अंजुमन खान की शिकायत डीएम से की थी। डीएम ने मामले की जांच पीडी जिला ग्राम्य विकास अभिकरण को सौंपी थी। पीडी ने अपनी जांच में लिखा है कि बच्चों ने बताया कि बड़ी मैम कभी आती हैं कभी नहीं आती हैं। कुछ बच्चों से शौचालय साफ कराना, बच्चों के माता–पिता की ओर से आपत्ति करने पर 19 सितंबर को उनसे विवाद करना व उन्हें धमकाना, अपने पति व बेटे को बुलाकर बच्चों के अभिभावकों से अपशब्दों का प्रयोग किया है। बच्चों ने बताया कि बड़ी मैम यानी प्रधानाध्यापिका मोबाइल ज्यादा इस्तेमाल करती हैं, पढ़ाती नहीं हैं। इसके साथ ही विद्यालय के अन्य कक्षों में वायरिंग न होना, पंखा आदि न लगा होने संबंधी आख्या उपलब्ध कराई है। इस आख्या के आधार पर तात्कालिक प्रभाव से प्रधानाध्यापिका अंजुमन खान को निलंबित किया गया है। बीएसए ने बताया कि निलंबन अवधि में उन्हें प्रावि अगया कला (बंद) से संबद्ध किया गया है। उन्होंने बताया कि बीईओ बर्डपुर को निलंबित प्रधानाध्यापिका के संबंध में आरोप–पत्र तैयार कर 15 दिन में देने का निर्देश दिया गया है। बीईओ शोहरतगढ़ को विभागीय कार्रवाई में जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

भाजपा के क्षेत्रीय के नेतृत्व में चला सदस्यता अभियान

संवाददाता–गोरखपुर। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर बुधवार को भाजपा द्वारा बृहद सदस्यता अभियान चलाया गया। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय और पूर्व सांसद जय प्रकाश निषाद के नेतृत्व में सिविल लाइंस बूथ पर लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई। भाजपा सांसद, विधायकों की मौजूदगी में हर बूथ पर 100–100 सदस्य बना रही है। बता दें कि भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान में गोरखपुर क्षेत्र से अभी तक 13 लाख से अधिक लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली है।

बच्चा न पैदा होने पर पत्नी को पीटकर घर से निकाला

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के मोहरीपुर पासी टोला निवासी एक महिला को उसके पति द्वारा प्रताड़ित एवं मारपीट कर घर से निकाल दिया। आरोप है कि महिला को बच्चे पैदा नहीं हो रहे थे, जिस वजह से पति ने ऐसी हरकत की है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, लगभग 20 वर्ष पूर्व कुसुम पासवान की शादी मोहरीपुर पासी टोला निवासी पंचम पासवान से हुई थी। लगभग 7 वर्ष पूर्व ससुर दुक्खी की मौत हो जाने के कारण पूरी पैतृक संपत्ति मेरे पति पंचम पासवान के नाम हो गई। पति पंचम पासवान दो तीन सालो से शराब पीने का आदी हो जाने के कारण अक्सर मारपीट कर मौके से पैसा लाने का दबाव बनाने लगा। इसके अक्सर मारपीट कर घर से निकालना शुरू कर दिया। एक वर्ष पूर्व मुझे मारपीट कर घर से इस लिए निकाल दिया था। 20 वर्ष में तुमको कोई बच्चा नही हो रहा अब हम तुम्हे अपने घर में नही रहने देंगे।

धूमधाम से मनाया गया मीना का जन्मदिन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। मीना का जन्मदिवस बनकटी ब्लॉक के कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय बढ़या में धूमधाम से मंगलवार को मनाया गया। कार्यक्रम की संयोजिका संध्या त्रिपाठी ने मीना के बारे में बताते हुए उसे मन में उमंग, उल्लास, सहानुभूति और सबकी मदद का भाव रखने वाली लड़की बताया जिसका मिट्ठू प्यारा दोस्त है। मीना के किरदार पर अंधविश्वास तथा रूढ़िवादिता के प्रति जागरूक करने वाली कहानियां बनाई गई हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ल ने कहा कि 'मीना' काल्पनिक चरित्र की एक ऐसी लड़की है जो समाज,बच्चों और विशेष रूप से बालिकाओं को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करती है। वह उन्हें आर्थिक,सामाजिक और शारीरिक रूप से जागरूक बनाती है।

इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक रामायण शुक्ल, मंजू यादव, श्रद्धावती, सुनीता, शत्रुघ्न चौधरी, बीटीसी प्रशिक्षु और विद्यालय के बच्चे मौजूद रहे।

मेडिकल कालेज में ब्रांकोस्कोपी की जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती मेडिकल कॉलेज में ब्रांकोस्कोपी जांच की शुरुआत हो गई है जिसका शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर मनोज कुमार द्वारा फीता काटकर और मशीन का पूजन कर के किया गया और यह भी बताया गया कि समय–समय पर इस तरह की आधुनिक मशीन को शासन द्वारा मंगाया जाएगा जिससे महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज के कैली हॉस्पिटल में अधिक से अधिक सुविधा मरीजों को मिल सके।

इस मौके पर मौजूद चेस्ट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रवीण गौतम ने बताया कि बस्ती मेडिकल कॉलेज में ब्रांकोस्कोपी जांच की शुरुआत होने से अब मरीजों को बाहर लखनऊ व गोरखपुर नहीं जाना पड़ेगा। शासन व मेडिकल कॉलेज का यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।

मेडिकल कॉलेज के चेस्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर राहुल सिंह ने बताया कि ब्रांकोस्कोपी से दूरबीन विधि द्वारा फेफड़ों की जांच की जाती है इससे फेफड़ों में होने वाले संक्रमण, टीबी, कैंसर व गांठ को जाना जा सकता है वहीं इससे बायोप्सी भी कर ली जाती है। इस मौके पर डॉ अलका, डॉ अनिल यादव, डॉ बीएल कनोजिया, डॉ राजेश पांडे एवं मेडिकल कॉलेज के तमाम कर्मचारी व स्टाफ मौजूद रहे।

फार्मासिस्ट दिवस पर किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। बुधवार को स्वामी विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्स व स्वामी विवेकानन्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी रिठीया महरीपुर के संयुक्त तत्वाधान में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं तथा शिक्षकों द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया।

मुख्य अतिथि श्री राम सहाय सिंह शांति सिंह एजुकेशनल ट्रस्ट के संरक्षक तथा संस्थापक श्रीमती आशा सिंह, विद्यालय के ट्रस्टी डॉक्टर हनुमान सिंह (जनरल सर्जन) तथा डॉक्टर ज्योति सिंह (आई सर्जन) रहे। विद्यालय में बच्चों द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप, साइंस गैलरी लगाई गई। विद्यालय के 15 छात्रों ने रक्तदान किया जिससे कि किसी जरूरतमंद को रक्त देकर उसके जीवन को बचाया जा सके तथा सभी ने भारत को मजबूत करने के लिए तथा फार्मेसी को अच्छे मुकाम तक पहुंचाने के लिए कसम खाई।

संस्था के संस्थापक ने बच्चों को विश्व फार्मासिस्ट दिवस की बधाई देते हुए अपने फील्ड के लिए और महेनत करने को कहा जिससे कि भारत में फार्मेसी का स्तर और सुधारा जा सके।

कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक डा० प्रदीप पाण्डेय, तथा विद्यालय के शिक्षक तथा गैर शिक्षण कर्मचारी संदीप भारती, कार्तिक चौधरी, अनिकेत श्रीवास्तव, तरुण पांडेय, निलम कुशवाहा, दीपक, श्रीकन्त संदीप यादव, अरविंद सिंह, विवेक श्रीवास्तव, संगीता सिंह तथा सभी छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

एसडीओ से सरकारी नंबर पर फोन कर की अभद्रता

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विद्युत वितरण खंड प्रथम के एसडीओ को एक उपभोक्ता ने सीयूजी नंबर पर कॉल कर अभद्रता करते हुए गालियां दी। आरोप है कि उसने पावर हाउस में आग लगाने की धमकी दी। अधिकारी ने आरोपी के खिलाफ शिकायत गुलरिहा पुलिस से की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। खंड प्रथम के एसडीओ प्रद्युमन सिंह का आरोप है कि मंगलवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे सरकारी नंबर पर एक उपभोक्ता फोन करके गालियां देने लगा, मना करने पर धमकी देने लगा। गुलरिहा पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

आमने सामने बाइक की टक्कर में दो की मौत, एक घायल

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र के पटना मुबारकपुर के पास बसखारी–रामनगर मुख्य मार्ग पर मंगलवार शाम को दो बाइक की आमने–सामने भीषण टक्कर में दोनों बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को सीएचसी बसखारी पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं गम्भीर रूप से घायल किशोरी को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। आलापुर थाना क्षेत्र के नीवा हुसैनपुर निवासी जकीरूल्लाह (45) वर्ष अपने पुत्र रैयानी (आठ) वर्ष का इलाज कराने के लिए बाइक से बसखारी की तरफ जा रहे थे कि पटना मुबारकपुर के पास सामने से आ रहे धर्मपाल (28) वर्ष पुत्र वंश बहादुर निवासी जंगला हथिनाराज आलापुर की बाइक का आमने–सामने में टक्कर हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक चालक गंभीर रुप से घायल होकर मौके पर ही तड़पने लगे तथा रैयान छिटककर दूर गिर गया। दोनों की बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने राहत व बचाव कार्य शुरू कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक संत कुमार सिंह भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए तथा तत्काल तीनों घायलों को सीएचसी बसखारी पहुंचाया। डॉक्टरों ने जकीरूल्लाह एवं धर्मपाल को मृत घोषित कर दिया जबकि रैयान का पैर टूटने के चलते उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

अदालती नोटिस

इस्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी०डि०) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं० 155 / 2024
विजय कुमार–सायलान
1 विजय कुमार आयु 43 वर्ष 2. अजय कुमार पाण्डेय आयु 39 वर्ष पुत्रगण स्व० कपिलदेव पाण्डेय 3. श्रीजन देवी आयु 76 वर्ष पत्नी स्व० कपिलदेव पाण्डेय समस्त निवासीगण मोहल्ला महरीखांवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 4. मीना देवी आयु 50 वर्ष पुत्री स्व० कपिलदेव पाण्डेय पत्नी रामविलास पाण्डेय निवासिनी खीरीघाटा बस्ती तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 16–10–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुस्म्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुस्म्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई० वकैद
हरगाह मुस्म्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टिफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई० वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी०डि०) बस्ती बतारीख पेशी 16–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई०।
द० हाकिम

एसपी से हमलावरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव में भूमि की पैमाइश के दौरान एक पक्ष ने राजस्व कर्मियों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता पर हमला बोल दिया। हस्तक्षेप करने पर हमलावरों ने राजस्व कर्मियों के साथ भी दुर्व्यवहार किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को थाना ले गई जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। इंसाफ न मिलने से आहत पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गोहार लगाई है।

श्यामपुर गांव निवासी महावीर ने एसपी को दिए गए नामजद प्रार्थना पत्र में कहा है कि सोमवार को राजस्व टीम खतौनी की भूमि की पैमाइश कर रही थी कि इसी बीच लोहे की सरिया, लाठी–डंडो से लैस होकर पहुंचे विपक्षीगण शिवांश, रत्नेश, सुनील व राम प्रसाद ने हमला बोल दिया। राजस्व कर्मियों के समक्ष उन दोनों की पिटाई भी कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को थाने पर लेकर गई गई किन्तु कोई कार्रवाई किए बिना ही छोड़ दिया गया। एसओ मालीपुर प्रभाकांत तिवारी ने बताया कि पैमाइश के दौरान किसी तरह की कोई मारपीट नहीं हुई। दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया था और समझा–बुझाकर हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

विदेश भेजने के नाम की थी ठगी, एक करोड़ रुपये लिए थे ठग, पंजाब पुलिस ने पिपराइच से दबोचा

संवाददाता–गोरखपुर। विदेश भेजने के नाम पर लोगों से करीब एक करोड़ रुपये ठगने के आरोपी को पंजाब पुलिस ने बुधवार सुबह क्षेत्र के वरसैनी टोला उजरी पट्टी गांव से गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय पुलिस की मदद से पंजाब पुलिस ने यह कार्रवाई की। इसके बाद मेडिकल जांच कराकर उसे साथ लेकर चली गई।

पुलिस के अनुसार, ग्राम वरसैनी टोला उजरी पट्टी निवासी वाजिद अली (35) पुत्र निजामुद्दीन जालंधर में रहकर लोगों को विदेश भेजने का काम करता था। वाजिद पर दुबई, अरब समेत कई देशों में भेजने के नाम पर कई लोगों से करीब एक करोड़ रुपये ठगने के आरोप में केस दर्ज था।

केस दर्ज होने के बाद से वह फरार था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। इसी बीच पंजाब पुलिस को सूचना मिली कि वह पिपराइच स्थित अपने गांव में रह रहा है। इसके बाद बुधवार को पंजाब पुलिस पिपराइच पहुंची। पिपराइच पुलिस की मदद से उसके घर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल जांच कराने के बाद पुलिस उसे अपने साथ पंजाब लेती गई। वाजिद की गिरफ्तारी को लेकर घरवालों ने भी कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके घर के सदस्य भी ट्रेन से पंजाब के जालंधर के लिए रवाना हो गए। इस बारे में एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पिपराइच से एक वांछित को पंजाब पुलिस साथ लेकर गई है। उसपर जालंधर के एक थाने में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज है।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com